



Rajat kaushik

18 Jul 1997

05:10 PM

Bijnor

Model: Web-L1

Order No: 121470601

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 18/07/1997
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 17:10:00 घंटे
इष्ट _____: 29:11:21 घंटे
स्थान _____: Bijnor
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:22:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 16:52:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:12 घंटे
साम्पातिक काल _____: 12:37:53 घंटे
सूर्योदय _____: 05:29:27 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:17:23 घंटे
दिनमान _____: 13:47:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 02:03:34 कर्क
लग्न के अंश _____: 01:57:15 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 3
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: ऐन्द्र
करण _____: गर
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कर्क

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

| कैलेंडर | वर्ष | मास | तिथि/प्रविष्टे |
|------------|---------------|--------|----------------|
| राष्ट्रीय | शक : 1919 | आषाढ़ | 27 |
| पंजाबी | संवत : 2054 | श्रावण | 3 |
| बंगाली | सन् : 1404 | श्रावण | 2 |
| तमिल | संवत : 2054 | आदी | 3 |
| केरल | कोल्लम : 1172 | कर्कदम | 2 |
| नेपाली | संवत : 2054 | श्रावण | 3 |
| चैत्रादि | संवत : 2054 | आषाढ़ | शुक्ल 13 |
| कार्तिकादि | संवत : 2054 | आषाढ़ | शुक्ल 13 |

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 13
तिथि समाप्ति काल _____ : 14:14:53
जन्म तिथि _____ : 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : मूल
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 23:19:30 घंटे
जन्म योग _____ : मूल
सूर्योदय कालीन योग _____ : ऐन्द्र
योग समाप्ति काल _____ : 24:56:27 घंटे
जन्म योग _____ : ऐन्द्र
सूर्योदय कालीन करण _____ : तैतिल
करण समाप्ति काल _____ : 14:14:53 घंटे
जन्म करण _____ : गर
भयात _____ : 41:10:52
भभोग _____ : 56:34:38
भोग्य दशा काल _____ : केतु 1 वर्ष 11 मा 2 दि

घात चक्र

मास _____ : श्रावण
तिथि _____ : 3-8-13
दिन _____ : शुक्रवार
नक्षत्र _____ : भरणी
योग _____ : वज्र
करण _____ : तैतिल
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : मार्जार
लग्न _____ : धनु
सूर्य _____ : तुला
चन्द्र _____ : मीन
मंगल _____ : वृश्चिक
बुध _____ : सिंह
गुरु _____ : धनु
शुक्र _____ : कुम्भ
शनि _____ : कन्या
राहु _____ : कुम्भ

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

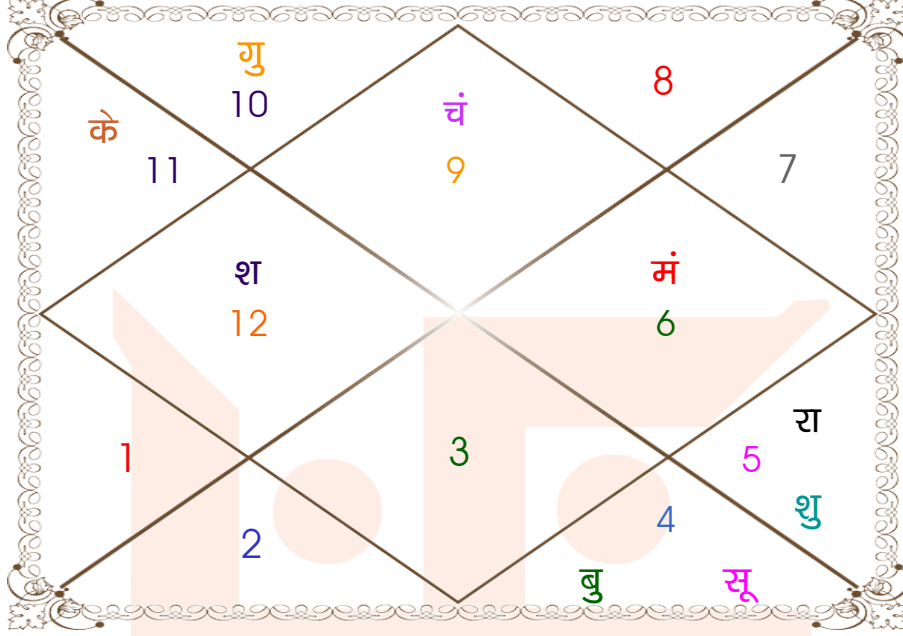
ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

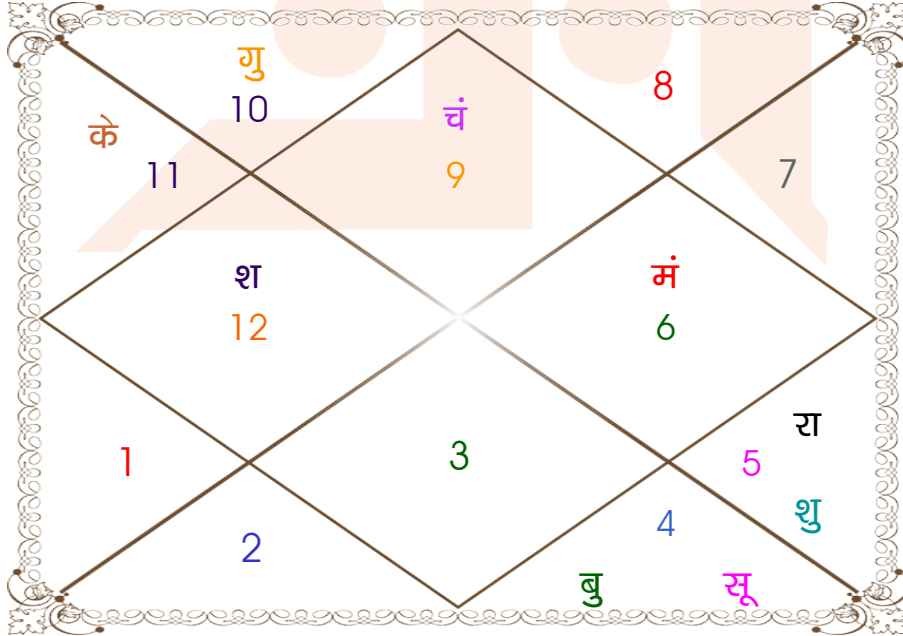
rajatkaushik265@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

| | | | |
|---------|--|--|----------|
| श | | | |
| के | | | बु सू |
| गु | | | रा शु |
| चं ल | | | मं |

लग्न कुंडली

| | | | |
|----------|----|----|---------|
| | | श | |
| | | के | |
| बु सू | | | गु |
| शु रा | मं | | ल चं |

विंशोत्तरी

केतु 1वर्ष 11मा 2दि
केतु

18/07/1997

21/06/2112

| | |
|--------|------------|
| केतु | 21/06/1999 |
| शुक्र | 21/06/2019 |
| सूर्य | 20/06/2025 |
| चन्द्र | 21/06/2035 |
| मंगल | 20/06/2042 |
| राहु | 20/06/2060 |
| गुरु | 20/06/2076 |
| शनि | 21/06/2095 |
| बुध | 21/06/2112 |

योगिनी

उल्का 1वर्ष 7मा 23दि
भद्रिका

11/03/2024

12/03/2029

| | |
|---------|------------|
| भद्रिका | 20/11/2024 |
| उल्का | 21/09/2025 |
| सिद्धा | 11/09/2026 |
| संकटा | 21/10/2027 |
| मंगला | 11/12/2027 |
| पिंगला | 22/03/2028 |
| धान्या | 21/08/2028 |
| भ्रामरी | 12/03/2029 |

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

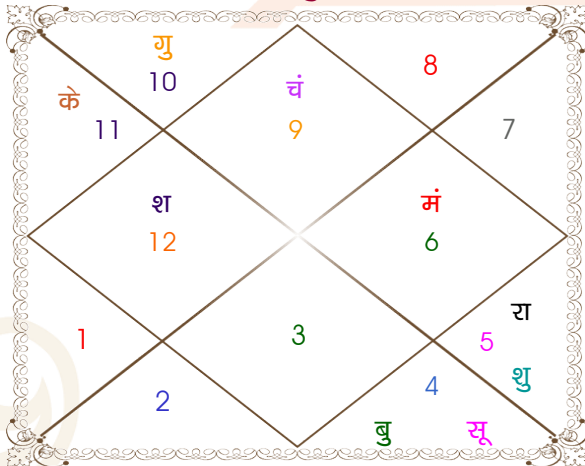
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | राशि | अंश | स्थिति | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|--------|---------|----------|------------|------|------|-------|-----------|
| लग्न | धनु | 01:57:15 | --- | -- | -- | -- | नेक |
| सूर्य | कर्क | 02:03:34 | मित्र राशि | -- | -- | -- | नेक |
| चन्द्र | धनु | 09:40:14 | सम राशि | -- | हाँ | -- | नेक |
| मंगल | कन्या | 20:33:41 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | नेक |
| बुध | कर्क | 23:59:07 | शत्रु राशि | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| गुरु | व मकर | 25:53:22 | नीच राशि | -- | हाँ | -- | नेक |
| शुक्र | सिंह | 00:03:58 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| शनि | मीन | 26:21:53 | सम राशि | -- | -- | -- | नेक |
| राहु | व सिंह | 27:25:11 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| केतु | व कुम्भ | 27:25:11 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | मन्दा |

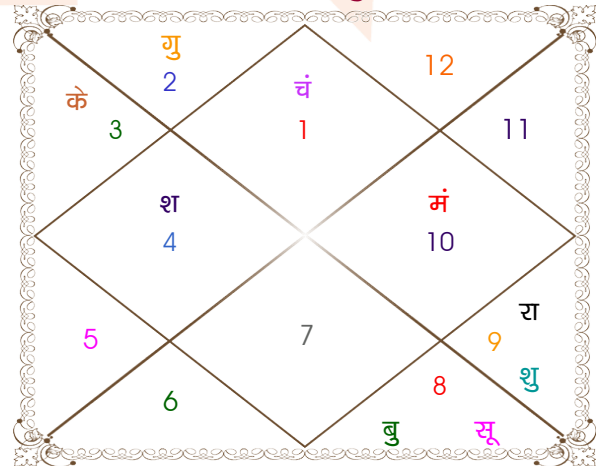
भाव स्थिति

| खाना नं. | मालिक | पक्का घर | किस्मत जगानेवाला | सोया | उच्च | नीच |
|----------|-------|-----------|------------------|------|------------|------------|
| 1 | मंगल | सूर्य | मंगल | -- | सूर्य | शनि |
| 2 | शुक्र | गुरु | चंद्र | -- | चंद्र | -- |
| 3 | बुध | मंगल | बुध | -- | राहु | केतु |
| 4 | चंद्र | चंद्र | चंद्र | -- | गुरु | मंगल |
| 5 | सूर्य | गुरु | सूर्य | हाँ | -- | -- |
| 6 | बुध | बुध,केतु | केतु | -- | बुध,राहु | शुक्र,केतु |
| 7 | शुक्र | शुक्र,बुध | शुक्र | -- | शनि | सूर्य |
| 8 | मंगल | मंगल,शनि | चंद्र | -- | -- | चंद्र |
| 9 | गुरु | गुरु | शनि | -- | केतु | राहु |
| 10 | शनि | शनि | शनि | -- | मंगल | गुरु |
| 11 | शनि | शनि | गुरु | -- | -- | -- |
| 12 | गुरु | गुरु,राहु | राहु | -- | शुक्र,केतु | बुध,राहु |

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

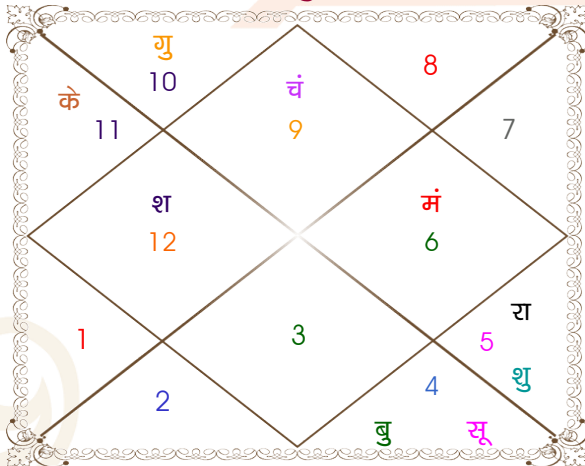
मैत्रीचक्र सारिणी

| ग्रह | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| सूर्य | --- | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | सम | सम | सम | शत्रु |
| चंद्र | मित्र | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| मंगल | मित्र | मित्र | --- | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| बुध | मित्र | सम | शत्रु | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | सम | --- | सम | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| शुक्र | सम | सम | शत्रु | मित्र | शत्रु | --- | मित्र | सम | मित्र |
| शनि | सम | सम | सम | मित्र | शत्रु | मित्र | --- | मित्र | शत्रु |
| राहु | सम | शत्रु | सम | मित्र | शत्रु | सम | मित्र | --- | मित्र |
| केतु | शत्रु | सम | सम | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | --- |

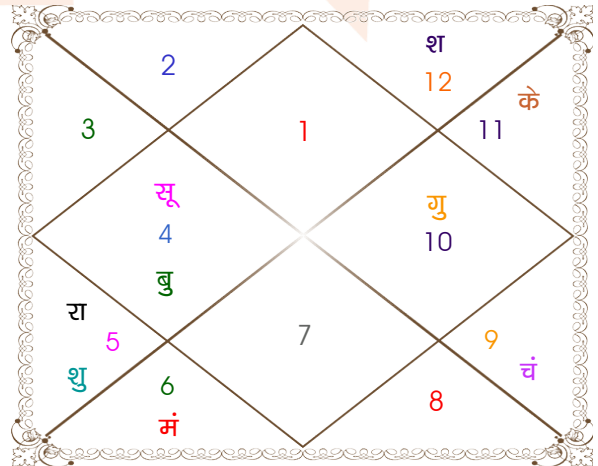
ग्रह/राशि फल

| ग्रह | वर्णन | फल |
|-------|---|----|
| सूर्य | तपस्वी राजा । | -- |
| चंद्र | माता के जीवित होने तक दौलत, खालिस दूध | -- |
| मंगल | चींटी के घर भगवान राजा । | -- |
| बुध | बीमारी और जहमत । | -- |
| गुरु | जगतगुरु । | -- |
| शुक्र | मिट्टी की काली आंधी । | -- |
| शनि | पानी का सांप । | -- |
| राहु | पागलों का सबसे बड़ा हकीम, मगर बेईमान । | -- |
| केतु | टुन-टुन करते रहने वाला कुत्ता मगर नेक दरवेश । | -- |

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

लालकिताब दशा

| | | | | |
|---|--|---|---|---|
| शनि 6 वर्ष 18/07/1997 19/07/2003 | राहु 6 वर्ष 19/07/2003 18/07/2009 | केतु 3 वर्ष 18/07/2009 18/07/2012 | गुरु 6 वर्ष 18/07/2012 18/07/2018 | सूर्य 2 वर्ष 18/07/2018 18/07/2020 |
| राहु 19/07/1999 बुध 18/07/2001 शनि 19/07/2003 | मंगल 18/07/2005 केतु 19/07/2007 राहु 18/07/2009 | शनि 18/07/2010 राहु 19/07/2011 केतु 18/07/2012 | केतु 18/07/2014 गुरु 18/07/2016 सूर्य 18/07/2018 | सूर्य 19/03/2019 चंद्र 17/11/2019 मंगल 18/07/2020 |
| चंद्र 1 वर्ष 18/07/2020 18/07/2021 | शुक्र 3 वर्ष 18/07/2021 18/07/2024 | मंगल 6 वर्ष 18/07/2024 18/07/2030 | बुध 2 वर्ष 18/07/2030 18/07/2032 | शनि 6 वर्ष 18/07/2032 18/07/2038 |
| गुरु 17/11/2020 सूर्य 18/03/2021 चंद्र 18/07/2021 | मंगल 18/07/2022 शुक्र 19/07/2023 बुध 18/07/2024 | मंगल 18/07/2026 शनि 18/07/2028 शुक्र 18/07/2030 | चंद्र 19/03/2031 मंगल 17/11/2031 गुरु 18/07/2032 | राहु 18/07/2034 बुध 18/07/2036 शनि 18/07/2038 |
| राहु 6 वर्ष 18/07/2038 18/07/2044 | केतु 3 वर्ष 18/07/2044 19/07/2047 | गुरु 6 वर्ष 19/07/2047 18/07/2053 | सूर्य 2 वर्ष 18/07/2053 19/07/2055 | चंद्र 1 वर्ष 19/07/2055 18/07/2056 |
| मंगल 18/07/2040 केतु 18/07/2042 राहु 18/07/2044 | शनि 18/07/2045 राहु 18/07/2046 केतु 19/07/2047 | केतु 18/07/2049 गुरु 19/07/2051 सूर्य 18/07/2053 | सूर्य 19/03/2054 चंद्र 17/11/2054 मंगल 19/07/2055 | गुरु 17/11/2055 सूर्य 18/03/2056 चंद्र 18/07/2056 |
| शुक्र 3 वर्ष 18/07/2056 19/07/2059 | मंगल 6 वर्ष 19/07/2059 18/07/2065 | बुध 2 वर्ष 18/07/2065 19/07/2067 | शनि 6 वर्ष 19/07/2067 18/07/2073 | राहु 6 वर्ष 18/07/2073 19/07/2079 |
| मंगल 18/07/2057 शुक्र 18/07/2058 बुध 19/07/2059 | मंगल 18/07/2061 शनि 19/07/2063 शुक्र 18/07/2065 | चंद्र 19/03/2066 मंगल 17/11/2066 गुरु 19/07/2067 | राहु 18/07/2069 बुध 19/07/2071 शनि 18/07/2073 | मंगल 19/07/2075 केतु 18/07/2077 राहु 19/07/2079 |
| केतु 3 वर्ष 19/07/2079 18/07/2082 | गुरु 6 वर्ष 18/07/2082 18/07/2088 | सूर्य 2 वर्ष 18/07/2088 18/07/2090 | चंद्र 1 वर्ष 18/07/2090 19/07/2091 | शुक्र 3 वर्ष 19/07/2091 18/07/2094 |
| शनि 18/07/2080 राहु 18/07/2081 केतु 18/07/2082 | केतु 18/07/2084 गुरु 18/07/2086 सूर्य 18/07/2088 | सूर्य 18/03/2089 चंद्र 17/11/2089 मंगल 18/07/2090 | गुरु 17/11/2090 सूर्य 19/03/2091 चंद्र 19/07/2091 | मंगल 18/07/2092 शुक्र 18/07/2093 बुध 18/07/2094 |
| मंगल 6 वर्ष 18/07/2094 19/07/2100 | बुध 2 वर्ष 19/07/2100 19/07/2102 | बुध 2 वर्ष 19/07/2100 19/07/2102 | बुध 2 वर्ष 19/07/2100 19/07/2102 | बुध 2 वर्ष 19/07/2100 19/07/2102 |
| मंगल 18/07/2096 शनि 18/07/2098 शुक्र 19/07/2100 | चंद्र 19/03/2101 मंगल 18/11/2101 गुरु 19/07/2102 | चंद्र 19/03/2101 मंगल 18/11/2101 गुरु 19/07/2102 | चंद्र 19/03/2101 मंगल 18/11/2101 गुरु 19/07/2102 | चंद्र 19/03/2101 मंगल 18/11/2101 गुरु 19/07/2102 |

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।

पंडित राकेश कुमार शर्मा ,पंडित रजत कौशिक

ग्राम रोशनपुर प्रताप कोतवाली देहात बिजनौर

8510924140,9690977419

rajatkaushik265@gmail.com